



लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञापित PRESS RELEASE

भारत में लोकतांत्रिक परंपराओं की जड़ें प्राचीन काल से ही मजबूत रही हैं : लोक सभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, 9 फरवरी 2020: लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज ग्रेटर नोएडा में प्रेरणा जनसंचार और शोध संस्थान और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'प्रेरणा विमर्श 2020' में बोलते हुए कहा कि भारत में लोकतांत्रिक परंपराओं की जड़ें प्राचीन काल से ही मजबूत रही हैं। ब्रिटिश और मुगल शासन भी भारतीय समाज के गणतांत्रिक, लोकतांत्रिक चरित्र को कम नहीं कर पाए थे। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति, सभ्यता और आध्यात्मिक ज्ञान बहुत प्राचीन है, और दुनिया भर के लोग मानवीय मूल्यों और भाईचारे के बारे में जानने के लिए इस 'देवभूमि' में आते हैं।

लोकतंत्र में स्वस्थ और स्वतंत्र मीडिया के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी, विभिन्न लेखकों, स्तंभकारों और स्वतंत्रता सेनानियों ने देशवासियों को प्रेरित करने में मीडिया का प्रभावी ढंग से उपयोग किया है। श्री बिरला ने कहा कि महात्मा गांधी के यंग इंडिया, तिलक के केसरी, गोखले के स्वराज और वीर सावरकर के गदर का योगदान इस दिशा में बहुत महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा कि जब राष्ट्र गांधीजी की 150 वीं जयंती मना रहा है, उनका सत्य और अहिंसा का संदेश दुनिया को एक नई दिशा प्रदान करता है।

इस तथ्य को रेखांकित करते हुए कि लोकतंत्र में मीडिया लोगों तक सूचना के प्रसार में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, श्री बिरला ने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए यह आवश्यक है कि मीडिया अपने कामकाज में स्वतंत्र और जवाबदेह हो। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय में जब मीडिया संचार और सोशल मीडिया के साधनों में विस्तार हुआ है, यह आवश्यक है कि समाज यह सुनिश्चित करने के लिए और अधिक सतर्क रहे कि उनका उपयोग एक नई दिशा प्रदान करने के लिए रचनात्मक तरीके से किया जाए। उन्होंने कहा कि मीडिया का युवाओं के लिए अत्यंत महत्व है और उन्हें 'नए भारत' के निर्माण की दिशा में काम करने के लिए मीडिया उन्हें प्रभावी ढंग से प्रेरित कर सकता है।

श्री बिरला ने आशा व्यक्त की कि तीन दिवसीय समारोह के दौरान आयोजित होने वाली चर्चाएँ, बहस और संवाद पत्रकारिता को आगे बढ़ाने वाले युवा छात्रों के लिए बहुत फायदेमंद साबित होंगे और समाज के लिए और अधिक उपयोगी योगदान करने में उनकी मदद करेंगे। श्री बिरला ने विद्यार्थियों से मीडिया के नए उभरते स्वरूपों का व्यापक अध्ययन करने और समाज के हित में उनका प्रयोग करने का आवाहन किया और आशा व्यक्त की कि वह अपने प्रयासों में सफल होंगे।

“ROOTS OF DEMOCRACY HAVE BEEN STRONG IN INDIA SINCE ANCIENT TIMES”: LOK SABHA SPEAKER

New Delhi, 9 February 2020: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla, while speaking at the 'Prerna Vimarsh 2020' organised by Prerna Jansanchar & Shodh Sansathan and Gautam Buddha University at Greater Noida today, observed that the roots of democracy have been strong in India since ancient times and not even the British or Mughal rule were able to diminish the republican, democratic character of Indian society. Remarking that India's culture, civilization and spiritual knowledge is very old, Shri Birla said that people around the world come to this 'devbhoomi' to learn about the human values and brotherhood.

Recalling that during India's freedom struggle, different writers, columnists and freedom fighters had effectively used media in inspiring the people, Shri Birla said that the contributions of Mahatma Gandhi's Young India, Tilak's Kesari, Gokhale's Swaraj and Veer Sawarkar's Gadar had been very important in this direction. He said that as the nation celebrates the 150th birth anniversary of Gandhiji, his message of truth and non-violence provides a new direction to the world.

Underlining the fact that in a democracy, media plays a vital role in dissemination of information to the people, Shri Birla said that for a healthy democracy, it is necessary that media is independent and accountable in its functioning. He further said that in the present times when there has been an expansion in the means of media communication and social media, it is also necessary that the society remains more vigilant to ensure that they are used in a constructive way to provide a new direction to youth and energise them to work towards building of a New India'.

Shri Birla expressed the hope that the discussions, debates and dialogue held during the three day function would prove to be very beneficial to the young students pursuing journalism and help them to contribute more purposively to the society. Shri Birla called upon the students to study the new forms of media extensively and use them in the interest of society and hoped that they would succeed in their efforts.